



लेखन - गिरीश कुमार तिवारी

चित्रांकन - आकाश तपादार

21240 – आओ समझें जी.एस.टी.

ISBN 978-93-5729-006-7

प्रथम संस्करण

नवंबर 2025 कार्तिक 1947

PD 3T M

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2025

₹ 35.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा हाई-टेक ग्राफिक्स, एफ-28/3, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II, नई दिल्ली 110020 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा बिल्ल के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। खंड की मूल्य अथवा चिपकाई गई पंक्ती (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस, श्री अरविंद मार्ग नई दिल्ली 110 016	फ़ोन : 011-26562708
108, 100 फीट रोड, हेली एक्सटेंशन, होम्डेकेरे, बनाशंकरा III इस्टेज, बेंगलुरु 560 085	फ़ोन : 080-26725740
नवजीवन ट्रस्ट भवन, डाकघर नवजीवन, अहमदाबाद 380 014	फ़ोन : 079-27541446
सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस, निकट धनकल बस स्टॉप पिनहटी कोलकाता 700 114	फ़ोन : 033-25530454
सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स, मालीगाँव गुवाहाटी 781021	फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	एम. वी. श्रीनिवासन
मुख्य संपादक	:	विज्ञान सुतार
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	अमिताभ कुमार
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	दीपक जैसवाल
सहायक संपादक	:	मीनाक्षी
उत्पादन सहायक	:	साहित्य शर्मा

लेआउट

मो. नाज़िम

कहानियाँ कहती हैं...!

कहानियाँ जीवन से जुड़े खट्टे-मीठे अनुभव, जीवन जीने का मनोबल और ऐसे विषयों के बारे में सहज रूप में जानकारी देती हैं जिन्हें जानना और समझना बहुत आवश्यक है। डिजिटल दुनिया हो या स्त्री-विमर्श, प्रकृति का संरक्षण हो या आजीविका के साधन, जीवन की चुनौतियों का सामना और समाधान हो या मतदान देने का अधिकार हो— सभी विषय ऐसे हैं जो जीवन को उत्कृष्ट रूप से जीने में सहायता करते हैं। 'महत्वपूर्ण जीवन-कौशल' के विभिन्न विषयों के इर्द-गिर्द बुनी गई सभी कहानियाँ पढ़ने का आनंद देने के साथ-साथ समझ, तर्क, विश्लेषण और उचित निर्णय आदि कुशलताओं का द्वार भी खोलती हैं। आइए, इन्हें पढ़ें, समझें और आगे बढ़ें!

कार्यक्रम समन्वयक— उषा शर्मा, आचार्य एवं प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

मार्गदर्शन— नीना सबनानी, एनिमेटर एवं सहायक संकाय, डिजाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

आभार ज्ञापन

परिषद् पुस्तक के निर्माण में सहयोग करने के लिए अक्षय कुमार दीक्षित, मॅटर, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली; श्याम सिंह सुशील, लेखक तथा आई.आई.टी. हैदराबाद से प्रसाद एस. ओंकार, विभाग प्रमुख एवं सह-आचार्य, डिजाइन विभाग; दीपक जॉन मैथ्यू, आचार्य; डेवलिन जूड रेमेडियोज, सहायक आचार्य; अंकिता राय, सहायक आचार्य; मोहम्मद शाहिद, सहायक आचार्य; सौरव देवरी, सहायक आचार्य, डिजाइन विभाग; शुहिता भट्टाचार्य, सहायक आचार्य, लिबरल आर्ट विभाग का आभार व्यक्त करती है।

परिषद् गौतम गोस्वामी, सहायक आचार्य, एनिमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग, बी.आई.टी., जयपुर; विभूति पंड्या, विभाग प्रमुख एवं सहायक आचार्य, एनिमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग, बी.आई.टी., जयपुर; मो. शाह आलम, वरिष्ठ परामर्शदाता (आई.सी.टी.), राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; भावना खेड़ा, कनिष्ठ परियोजना अध्ययता, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली तथा संपादकीय सहयोग के लिए प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के मोहन शर्मा, सहायक संपादक (संविदा); राकेश कुमार, सीनियर प्रूफरीडर; प्रियंका, प्रूफरीडर (संविदा) तथा पुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए सुरेंद्र कुमार, प्रभारी, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ; मनोज कुमार, डी.टी.पी. ऑपरेटर (संविदा) का आभार ज्ञापित करती है।

आओ समझें जी.एस.टी.

लेखन

गिरीश कुमार तिवारी

चित्रांकन

आकाश तपादार



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING



इस बार छुट्टियों में हम सब खूब मजे करेंगे।



हाँ, मुझसे तो अब इंतज़ार नहीं होता।

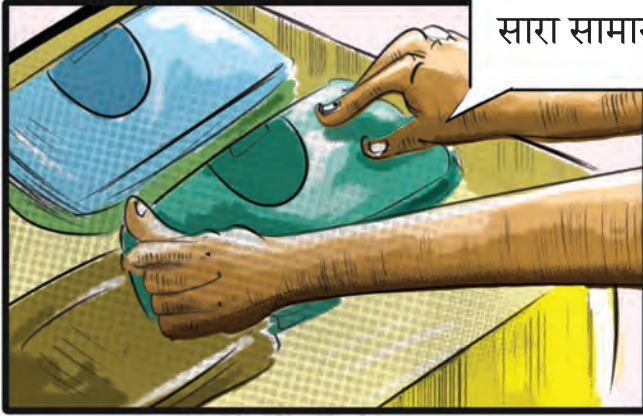




हाँ माँ, सब रख लिया।



हम चारों दोस्तों ने अपना सारा सामान पैक कर लिया।





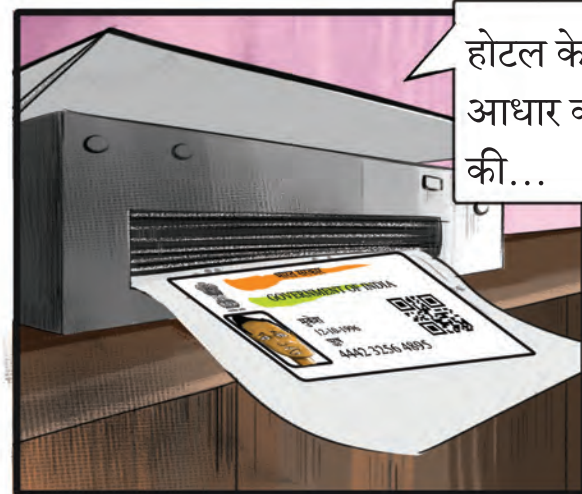
मैंने होटल बुक किया
और हम स्टेशन से सीधा
वहाँ पहुँच गए।



सर, मैंने आपके होटल में
मुकेश के नाम से चार लोगों
के लिए एक कमरा बुक
किया है।



जी सर, कृपया आप चारों अपने
आधार कार्ड दीजिए।



होटल के कर्मचारी ने सबके
आधार कार्ड की फोटोकॉपी
की...



और हमें रजिस्टर में हस्ताक्षर
करने को कहा।



मैंने हमारे कमरे की चाबी ली...



लेकिन जैसे ही मैं सामान लेकर सीढ़ियों की ओर मुड़ा, मुझे कुछ याद आया।



सर, क्या आप मुझे मेरे आधार कार्ड की फोटोकॉपी दे सकते हैं?



लीजिए सर।



हम एक बहुत ज़रूरी काम करना तो भूल ही गए थे।



अरे मुकेश भाई! बताओ क्या लिख रहे हो?

यहाँ भी पढ़ाई?

कुछ बोलोगे?



हमें हमेशा फोटोकॉपी का उद्देश्य उस पर जरूर लिखना चाहिए।

मैं तो कहूँगा कि तुम सब भी जरूर लिखो।

इससे आपके दस्तावेजों का दुरुपयोग होने की संभावना कम हो जाती है।



इस आधार कार्ड की फोटोकॉपी का एकमात्र उद्देश्य यह है कि इसका उपयोग होटल गिरीश-इन में एक कमरा बुक करने के लिए ही किया गया है।



अरे! मुझे दिखाओ कि इसे कैसे लिखना है।

और मुझे भी!

चलो लंबा होने का कुछ तो फ़ायदा हुआ।



अगले दिन हम सभी गोवा घूमने निकल पड़े।





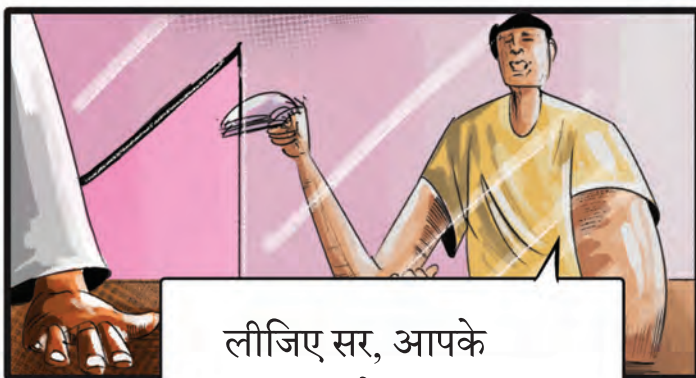
कुछ दिन गोवा में बिताने के बाद अब घर लौटने का समय था।



सर, हमारा बिल दे दीजिए।



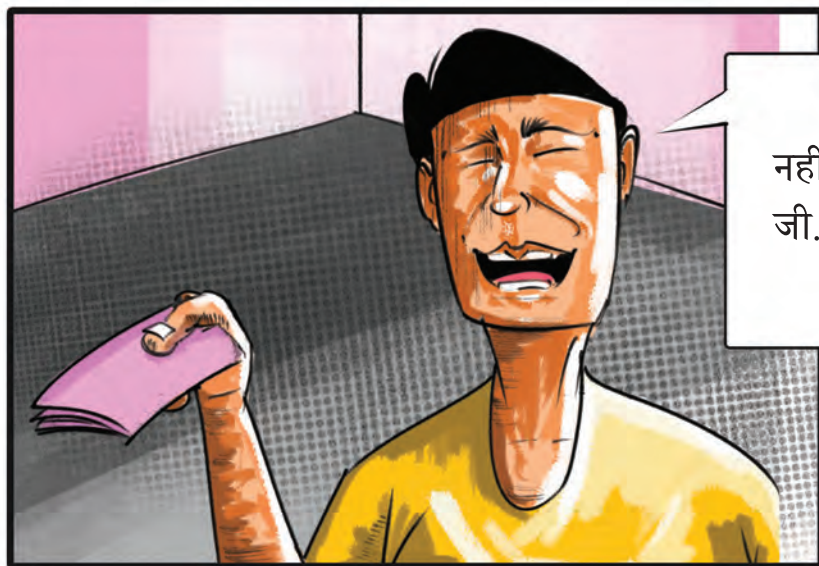
लीजिए सर। आपका बिल हुआ 2499 रुपये और 18% जी.एस.टी. के साथ हुए कुल 2949 रुपये।



लीजिए सर, आपके 2799 रुपये।



अरे! ये तो कम हैं। पूरे पैसे दीजिए।



नहीं, हमारे इतने ही रुपये बनते हैं। आपने जी.एस.टी. अधिक लगाया है।



नहीं, मैंने बिल्कुल सही बिल बनाया है। मैं यह काम रोज़ करता हूँ।



इतना शोर सुनकर होटल के
मैनेजर साहब भी वहाँ आ गए।



और उन्हें वह बिल
भी दिखाया।



सर, जितना बिल में लिखा है, आपको उतना पेमेंट तो करना ही होगा।



लेकिन यह तो गलत है। क्या आप नहीं जानते कि जी.एस.टी. के नियम और शर्तें बदल गई हैं!



अरे मुकेश! हमें देर हो रही है और टैक्सी भी आ गई है।

रमेश, ये लोग ज़्यादा पैसे माँग रहे हैं।



लेकिन क्यों?



क्योंकि इन्होंने जी.एस.टी. अधिक लगाया है।

सर, मुकेश ठीक कह रहा है। हम उतने ही रुपये देंगे, जितने उचित हैं।



हमें देर हो रही है। हमारी बात समझिए।



दोस्तो, हमारी ट्रेन न छूट जाए। क्या इन्हें समझाने का कोई और तरीका नहीं है?

अब हम क्या करें!

हमारा टैक्सीवाला भी इंतज़ार कर रहा है।





तभी मुझे ख्याल आया कि भारत सरकार की वेबसाइट पर जी.एस.टी. की सारी जानकारी दी गई है।



यह देखिए, 18 जुलाई, 2022 के बाद से जी.एस.टी. के नियम और शर्तें बदल गई हैं।



इसके मुताबिक, यदि आपके बिल की न्यूनतम राशि 1001 रुपये और अधिकतम राशि 7500 रुपये है तो उस पर 12% जी.एस.टी. लागू होता है।



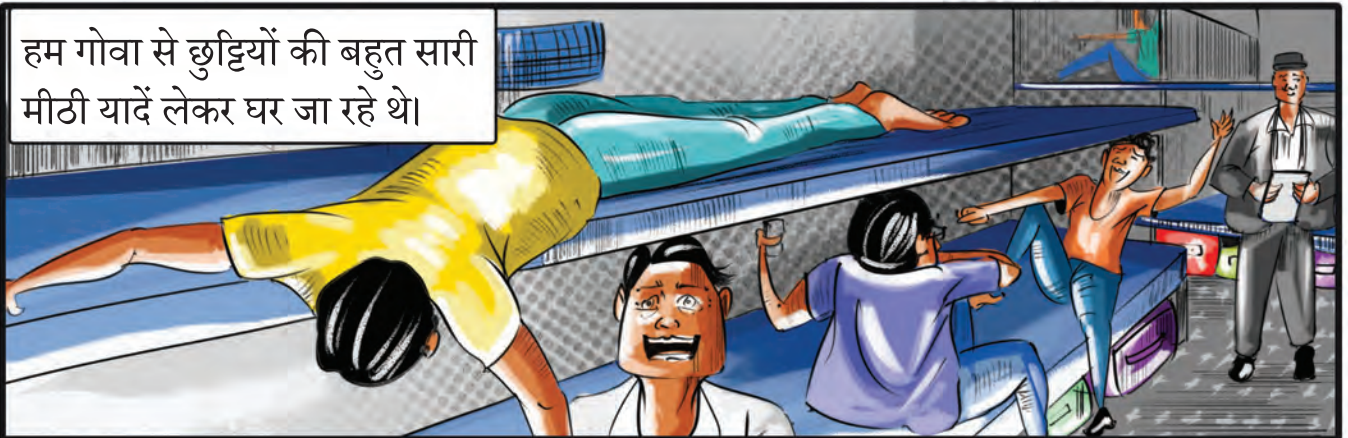
और यदि वह राशि 7500 रुपये से अधिक है तो उस पर 18% जी.एस.टी. लागू होता है।



हमें माफ़ कीजिएगा सर, अब से हम बदलते नियमों की भी पूरी जानकारी रखेंगे और उन्हें आज से ही लागू करेंगे।

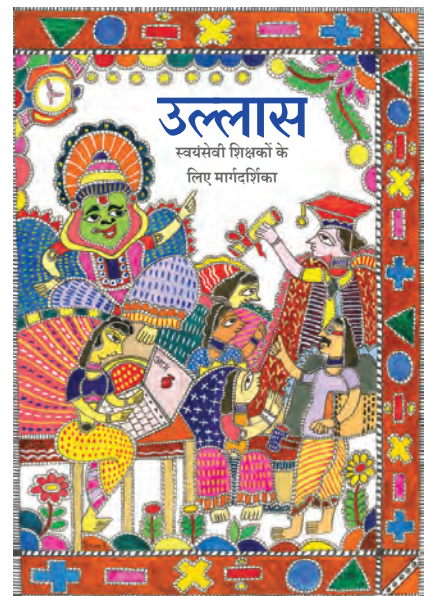
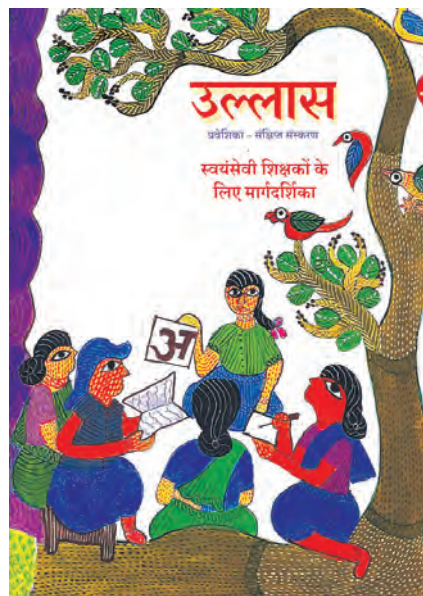
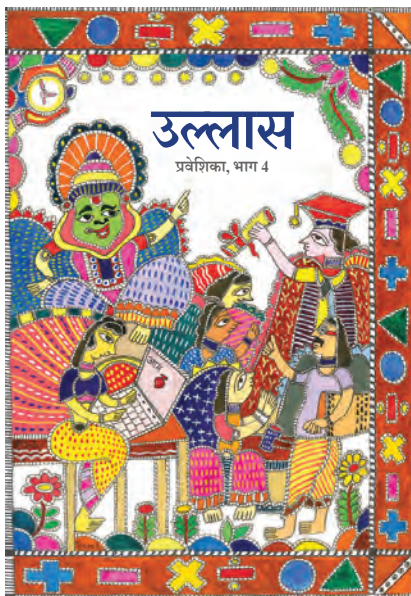
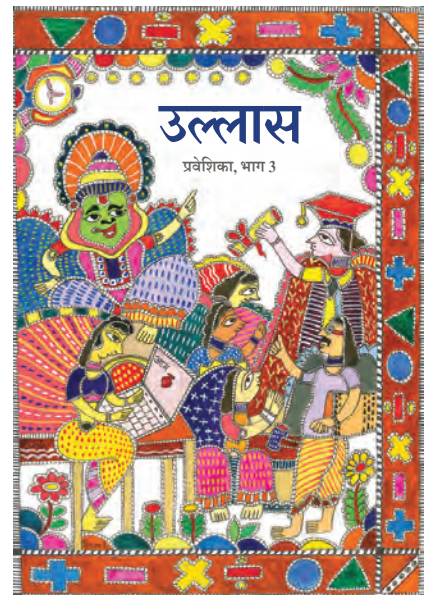
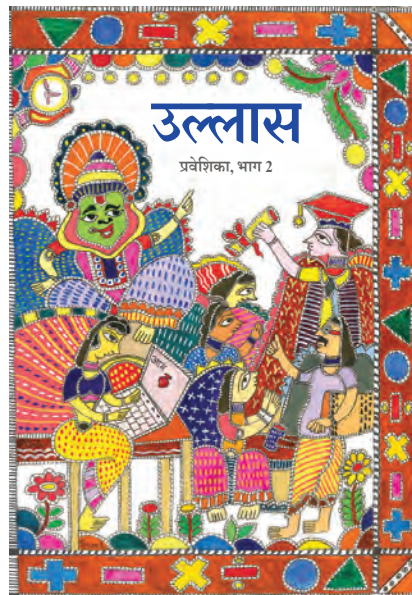
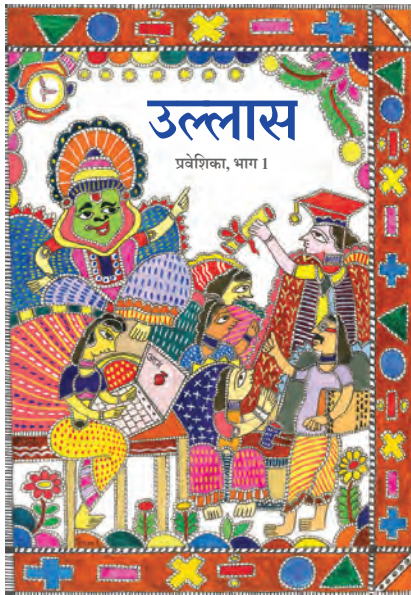
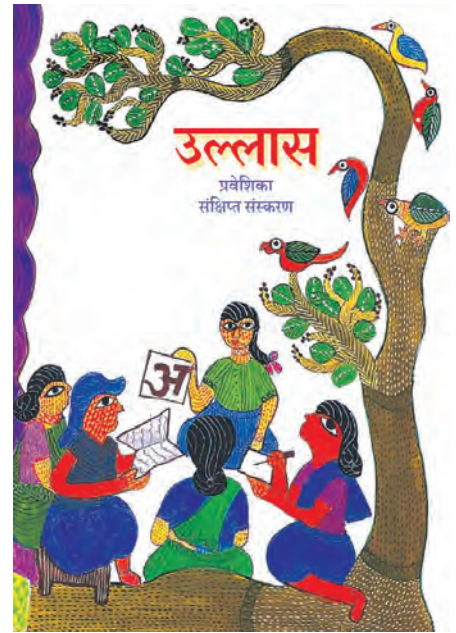


फिर उचित बिल भरकर हम चारों टैक्सी में बैठकर स्टेशन के लिए रवाना हो गए।



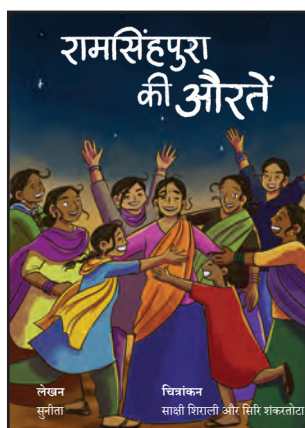
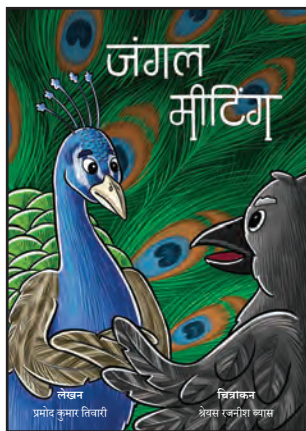
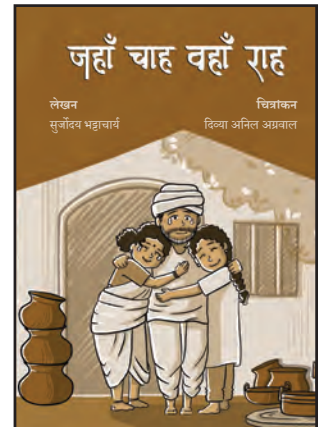
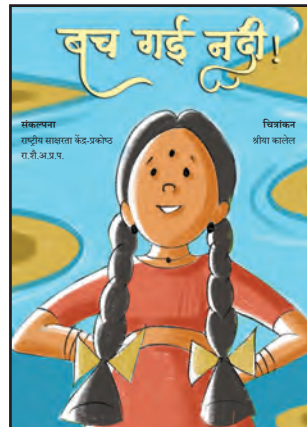


CELL FOR NATIONAL CENTRE FOR LITERACY
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ



महत्वपूर्ण जीवन-कौशल पर आधारित

कथा श्रृंखला



राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय
आपका डिजिटल पुस्तकालय!
असंख्य वृत्तांत प्राप्त करने
के लिए स्कैन एवं डाउनलोड करें।



21240

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 978-93-5729-006-7